फ्रेंच क्ला सकल कला

फ्रांसीसी कला इतिहास में 17वीं और 18वीं शताब्दी का कालखंड "क्ला सकल युग" या "फ्रेंच क्ला स सज़्म" (French Classicism) के नाम से जाना जाता है। यह वह समय था जब कला में पुनर्जागरण और प्राचीन ग्रीक-रोमन आदर्शों को केंद्र में रखते हुए संतुलन, स्पष्टता और नैतिक उद्देश्य की पुनर्स्थापना हुई। क्ला सकल फ्रेंच कला को वशेष रूप से राजा लुई XIV के शासनकाल (1643–1715) के साथ जोड़ा जाता है, जब कला, साहित्य और स्थापत्य को शाही संरक्षण प्राप्त था और अकाद मक अनुशासन के अंतर्गत परिभा षत कया जा रहा था।

फ्रेंच क्ला सकल कला की वशेषताएँ
फ्रेंच क्ला सकल कला में अनुशासन, औपचारिकता, सौंदर्यबोध और तर्क की प्रधानता दिखाई देती है। इसमें भावनाओं का आवेग नहीं, बल्कि बुद् धमत्ता और संतुलन का संयोजन होता है। कलाकारों ने स्पष्ट रेखांकन, संर चत संरचना, सामंजस्यपूर्ण रंग योजना और नायकों की गरिमामयी प्रस्तुति को महत्व दिया। इस शैली में कला को नैतिक शक्षा देने वाला माध्यम माना गया — कला न केवल देखने योग्य थी, बल्कि आदर्श जीवन के प्रति प्रेरणादायक भी।

इस युग में वषयवस्तु प्रायः ऐतिहा सक, पौरा णक या बाइबि लक होती थी, जो नैतिक शक्षा या राजनीतिक संदेश देती थी। नाटकीयता यहाँ नियंत्रित होती थी और प्रत्येक आकृति का स्थान और हावभाव उद्देश्यपूर्ण होते थे। कला का उद्देश्य आदर्श रूप प्रस्तुत करना था, न क यथार्थ की संपूर्ण अनुकृति।

महत्त्वपूर्ण कलाकार और कृतियाँ

Nicolas Poussin को फ्रेंच क्ला स सज़्म का प्रणेता माना जाता है। यद्य प उन्होंने अ धकतर कार्य रोम में कया, परंतु उनके चत्र फ्रेंच अकाद मक परंपरा के लए आदर्श बन गए। उनकी कृति *The Death of Germanicus* में रोम के सेनापति जर्मैनिकस की मृत्यु को नैतिक त्रासदी की तरह प्रस्तुत कया गया है। इस चत्र में अनुशासनबद्ध संरचना, भावनात्मक संयम और शास्त्रीय सौंदर्य की वशेषता स्पष्ट रूप से परिल क्षत होती है।

Poussin की अन्य प्र सद्ध कृति *Et in Arcadia Ego* एक दार्शनिक चत्र है, जिसमें मृत्यु की सार्वभौ मकता को एक आदर्श परि श्य में प्रस्तुत कया गया है। इस कृति में चरवाहों की आकृतियाँ, संय मत मुद्राएँ और प्रकाश की सौम्यता उनके गूढ़ कलात्मक ष्टिकोण का परिचायक है।

Charles Le Brun राजा लुई XIV के दरबारी चत्रकार थे और उन्होंने शाही कला अकादमी को एक अनुशा सत संस्था के रूप में वक सत कया। उनकी कृति *The Triumph of Alexander* में

महान योद्धा Alexander के वजय जुलूस को भव्यता और अनुशासन के साथ दर्शाया गया है। Le Brun ने कला में 'भावों की भाषा' (expression of passions) की एक पद्धति वक सत की, जिसके अनुसार चेहरे के हावभाव और शरीर की मुद्राएँ व भन्न भावनाओं को चत्रित करने के लए व्यवस्थित की जाती थीं।

Hyacinthe Rigaud ने राजा लुई XIV का प्र सद्ध पोर्ट्रेट *Portrait of Louis XIV* बनाया, जो फ्रेंच क्ला सकल परंपरा में राजसी गरिमा और सत्ता की प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया। इस चत्र में राजा का लबास, मुद्रा, बैकग्राउंड और वस्त्रों की सजावट सब कुछ नाटकीय रूप में नहीं, बल्कि गरिमामयी और संतु लत संरचना में चत्रित कया गया है।

Eustache Le Sueur भी फ्रेंच क्ला स सज़्म के महत्वपूर्ण चत्रकारों में थे। उन्होंने धा र्मक और पौरा णक वषयों को अत्यंत संयम और आदर्श रूप में चत्रित कया। उनकी श्रृंखला *The Life of St. Bruno* में प्रत्येक श्य को नैतिक गरिमा और शांत सौंदर्य के साथ प्रस्तुत कया गया है।

क्ला सकल कला में स्थापत्य और मूर्तिकला
फ्रेंच क्ला सकल कला केवल चत्रकला तक सी मत नहीं रही, बल्कि वास्तुकला और मूर्तिकला में भी उसके आदर्शों का पालन हुआ। Versailles Palace इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जो लुई XIV की महत्त्वाकांक्षा और शास्त्रीय संतुलन का प्रतीक है। सम मत डज़ाइन, स्तंभों की अनुशा सत पंक्तियाँ, और भव्य बाग-ब गचे – सभी क्ला स सज़्म के स्थापत्य तत्व हैं।

मूर्तिकला में François Girardon और Antoine Coysevox जैसे कलाकारों ने पौरा णक वषयों को आदर्श सौंदर्यबोध और भावनात्मक संयम के साथ प्रस्तुत कया। ये मूर्तियाँ शक्ति, गरिमा और सौंदर्य के आदर्शों को मूर्त रूप देती थीं।

फ्रेंच क्ला सकल कला ने पश्चिमी कला इतिहास को अनुशासन, सौंदर्य और नैतिकता का एक स्थायी आदर्श प्रदान कया। इसने कला को केवल श्य मनोरंजन से ऊपर उठाकर एक बौद् धक और सांस्कृतिक दायित्व बना दिया। Nicolas Poussin, Charles Le Brun, और Rigaud जैसे कलाकारों ने फ्रेंच चत्रकला को एक ऐसा आधार दिया जिस पर बाद की अकाद मक परंपरा वक सत हुई। क्ला स सज़्म का प्रभाव न केवल 18वीं शताब्दी तक, बल्कि Neoclassicism के माध्यम से पुनः 19वीं शताब्दी में भी महसूस कया गया। फ्रेंच क्ला सकल कला आज भी Louvre जैसे संग्रहालयों में सुर क्षत है, और वह दर्शकों को तत्कालीन आदर्श सौंदर्य और नैतिक ष्टिकोण की यात्रा पर ले जाती है।